समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

‘आखिर लादेन पाकिस्तान मे क्यों छिपा था ?’ ऑपरेशन सिंदूर पर एस. जयशंकर ने यूरोप को दी दो टूक नसीहत।

Publisher

Published on 11 Jun 2025

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर को यूरोप द्वारा दो देशों के संघर्ष के रूप मे दिखाना विदेश मंत्री को नागवार गुज़रा। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई बताया।

नई दिल्ली, 11 जून 2025: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोप को कड़ी नसीहत देते हुए कहा है कि भारत की पाकिस्तान के खिलाफ की गई **आतंकवाद विरोधी कार्रवाई** को दो देशों के संघर्ष की तरह नहीं देखा जाना चाहिए।
वे फिलहाल **यूरोपियन यूनियन (EU)** के नेताओं से मुलाकात के लिए **ब्रुसेल्स** में हैं, जहां उन्होंने यूरोपीय मीडिया से बात करते हुए **ऑपरेशन सिंदूर, ओसामा बिन लादेन,** और **रूस-यूक्रेन युद्ध** जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भारत का पक्ष साफ किया।

‘लादेन पाकिस्तान मे क्यों सुरक्षित महसूस करता था ?’
जयशंकर ने यूरोपीय मीडिया पोर्टल **Euractiv** से बातचीत के दौरान कहा:
“ओसामा बिन लादेन वर्षों तक पाकिस्तान के एक सैन्य शहर में छिपा रहा। ये सिर्फ भारत और पाकिस्तान का मामला नहीं है, ये आतंकवाद का मुद्दा है, जो कभी भी यूरोप को भी चपेट में ले सकता है।”

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत की सैन्य कार्रवाई “आत्मरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई” है, न कि युद्ध उकसाने की कोई कोशिश।

भारत और यूरोपीय यूनियन के बदलते रिश्ते

जयशंकर ने संकेत दिया कि भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच **मुक्त व्यापार समझौते (Free Trade Agreement)** को लेकर बातचीत तेज़ हो रही है। **भारत, रूस** और **चीन** के साथ बढ़ती साझेदारी के बीच अब यूरोप के साथ रणनीतिक विविधता चाहता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत का स्पष्ट रुख

जब पूछा गया कि भारत ने रूस पर प्रतिबंध लगाने से परहेज़ क्यों किया, तो जयशंकर ने साफ कहा: "हम नहीं मानते कि युद्ध से शांति लाई जा सकती है। युद्ध समाधान नहीं, बल्कि मानवता की विफलता है।"

उन्होंने कहा कि **भारत, यूक्रेन** और **रूस** दोनों के साथ संबंध रखता है और इस संघर्ष में वह निर्देशक या निर्णायक भूमिका नहीं निभाना चाहता।

इतिहास से सबक ले यूरोप – जयशंकर

जयशंकर ने याद दिलाया कि **1947 मे पाकिस्तान द्वारा कश्मीर** पर हमला किए जाने के समय यूरोपीय देश पाकिस्तान के समर्थन में थे। उन्होंने कहा कि हर देश अपनी विदेश नीति अपने **इतिहास, अनुभव** और **हितों के आधार** पर बनाता है, और भारत का यह अनुभव भूलने योग्य नहीं है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.